No. of Printed Pages : **4**

ES-222

DIPLOMA IN PRIMARY EDUCATION
(DPE)

Term-End Examination

June, 2010

ES-222 : EDUCATION IN EMERGING INDIAN SOCIETY

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All **four** questions are **compulsory**.*
*(ii) All questions carry **equal weightage**.*

Answer the following questions in about **600** words each :

1. Education is viewed as an instrument of Social change and Social control. Discuss with suitable examples.

OR

Explain with examples the Philosophical Sociological and Psychological principles of curriculum construction.

2. Describe the salient features of National Policy on Education 1968 and 1986 and their implications Primary Education.

OR

Discuss the role of the school and the teacher as agents of social change and in maintaining school community relation.

3. Answer ***any five*** of the following questions in about **120** words each :

(a) What is informal education ? Explain in brief the difference between formal and informal education.

(b) Explain the role of school mapping and micro planning in education at Primary level.

(c) Describe school as a Sub-system of community.

(d) Describe the various steps taken by the Govt. of India for removal of illiteracy in the country.

(e) Explain the scheme of "Operation Black Board".

(f) Describe the concepts of Democracy, Socialism and Secularism.

(g) Explain the role of Family in children's education at Primary level.

Answer the following question in about **600** words :

4. Make a list of activities in the school in which you can involve community. Explain what steps you as a teacher will take to motivate the community to play a meaningful role in organising these activities.

ई.एस.-222

प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.पी.ई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

ई.एस.-222 : उभरते भारतीय समाज में शिक्षा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***चारों प्रश्न अनिवार्य हैं।***

*(ii) सभी प्रश्नों के **भारिता समान** हैं।*

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

1. शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक नियंत्रण के एक उपकरण के रूप में देखा जाता है। उपयुक्त उदाहरण देते हुए विवेचन कीजिए।

अथवा

पाठ्यचर्या निर्माण के दार्शनिक, समाजविज्ञानीय तथा मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 और 1986 की प्रमुख विशेषताओं और प्राथमिक शिक्षा के लिए उनके निहितार्थों का वर्णन कीजिए।

अथवा

सामाजिक परिवर्तन के अभिकर्ता तथा विद्यालय-समुदाय संबंधों के अनुरक्षक के रूप में विद्यालय तथा शिक्षकों की भूमिका का विवेचन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं पाँच*** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 120 शब्दों में होना चाहिए।

   (a) अनौपचारिक शिक्षा से क्या तात्पर्य है? औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा के अंतर को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

   (b) प्राथमिक स्तर पर विद्यालय-मानचित्रण और सूक्ष्म-योजना की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

   (c) समुदाय की एक उप-व्यवस्था के रूप में विद्यालय को परिभाषित कीजिए।

(d) देश में निरक्षरता-निराकरण के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों का वर्णन कीजिए।

(e) 'श्याम पट्ट अभियान' योजना को स्पष्ट कीजिए।

(f) लोकतंत्र, समाजवाद और पंथ निरपेक्षता की संकल्पनाओं का वर्णन कीजिए।

(g) प्राथमिक स्तर पर बच्चों की शिक्षा में परिवार की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्न का लगभग 600 शब्दों में उत्तर दीजिए :

4. ऐसे विद्यालयी क्रियाकलापों की सूची बनाइए जिनमें आप समुदाय को सम्मिलित कर सकते हैं। स्पष्ट कीजिए कि इन क्रियाकलापों को आयोजित करने में समुदाय को अर्थपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अभिप्रेरित करने में एक शिक्षक के रूप में आप क्या उपाय करेंगे?